

जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण

वर्ष 2006-2007

जिला भिवानी

आमुख

इस प्रकाशन का उद्देश्य जिला भिवानी में पिछले एक वर्ष में हुये सामाजिक एवं आर्थिक तथा अन्य विकास कार्यों बारे जानकारी उपलब्ध कराना है। इसमें जिला से सम्बन्धित विभिन्न विषयों विशेषकर क्षेत्रफल, जनसंख्या, कृषि, सिंचाई, वन, पशुपालन, विद्युत, उद्योग, सड़क तथा परिवहन, संचार, श्रम तथा रोजगार, सहकारिता, बैंक, शिक्षा, चिकित्सा, समाज कल्याण इत्यादि के अतिरिक्त बहुत से विविध विषयों पर तुलना के साथ-2 जनगणना 2001 के अनुसार की तुलना उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है।

वह प्रकाशन विभिन्न विभागों अनुसंधान संस्थाओं और उन संस्थाओं एवं व्यक्तियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा जिनकी जिला भिवानी की सामाजिक एवं आर्थिक समस्याओं तथा उनसे जुड़े अन्य पहलुओं में रुचि है।

मैं जिला भिवानी के विभिन्न कार्यालयों अध्यक्षों, जिन्होंने इस प्रकाशन के लिए सूचना उपलब्ध कराने में सहयोग दिया, के लिए आभारी हूँ। उनके सहयोग के बिना इस प्रकाशन को जारी कर पाना सम्भव नहीं है।

अन्त में मैं श्री लीलू राम सहायक जिला सांख्यिकीय अधिकारी, जिला सांख्यिकीय कार्यालय भिवानी का इस प्रकाशन को संकलित करने ग्राफ तैयार करने तथा रिपोर्ट को इस रूप में समय पर प्रकाशित करने के लिए आभार प्रकट करता हूँ।

नरेन्द्र सिंह सिंहमार
जिला सांख्यिकीय अधिकारी,
भिवानी।

जिला सांख्यिकीय आर्थिक पुनरीक्षण -जिला भिवानी
विषय सूची

विषय	पृष्ठ संख्या
परिशिष्ट- 1 सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण - जिला भिवानी	
परिशिष्ट- 2 स्थिति तथा भौतिक विशेषताए	
1 स्थिति तथा भौतिक विशेषताए	
स्थिति	
क्षेत्रफल तथा प्रशासनिक ढांचा	
भौतिक विशेषताए	
खनिज सम्पदा	
नदियां	
जलवायु तथा वर्षा	
मिट्टी	
भू-जल विज्ञान	
2 जनसंख्या	
जनगणना के आकड़े	
घनत्व	
ग्रामीण व शहरी जनसंख्या	
0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या	
मलिन बस्तियों की जनसंख्या	
लिंगानुपात	
0-6 आयु वर्ग के बच्चों में लिंगानुपात	
साक्षरता-ग्रामीण व शहरी	
मलिन बस्तियों में साक्षरता	
3 वन	
वनो के अधीन क्षेत्रफल	
4 कृषि	
भूमि का प्रयोग	
कृषि जोते	
मुख्य फसलों का उत्पादन	
अधिक उपजाऊ किस्में	
रासायनिक खाद का वितरण	
पौधों की सुरक्षा के उपाय	
कृषि यन्त्र तथा उपकरण	
कृषि उपज बिक्री संग्रहण	
समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम	
भूमि विकास कार्यक्रम	
5 सिंचाई	
सिंचाई के साधन	
फसल अनुसार सिंचित क्षेत्र	
सिंचाई की संघनता	
नलकूप/पम्पिंग सैट	
बाढ़	
6 पशुपालन तथा डेरी	
पशुधन	
पशु चिकित्सालय सेवाएं	
डेरी 'दुग्ध उत्पादन'	

- 7 मछली पालन
- 8 विधुत
विधुतीकरण “शहरी/गाँव”
नलकूप
विभिन्न परियोजनाओं में विधुत का उपयोग
- 9 खनिज पदार्थ तथा उद्योग
खनिज उत्पादन
लघु उद्योग यूनिट
बड़े तथा मध्यम स्तरीय उद्योग यूनिट
- 10 सड़क तथा परिवहन
सड़क की लम्बाई
रेलवे स्टेशन एवं हरियाणा परिवहन बस स्टेण्ड की संख्या
राज्य परिवहन
सड़क दुर्घटनाएं
- 11 संचार
डाक घर व तार घर
दूरभाष केन्द्र
- 12 श्रम तथा रोजगार
औद्योगिक झगड़े
रोजगार केन्द्र
मजदूरी की औसत दैनिक आय
- 13 सहकारिता
- 14 बैंक
- 15 शिक्षा
विधालय तथा महाविधालय
अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम
इन्जिनियरिंग कालेज
- 16 चिकित्सा तथा जन स्वास्थ्य
स्वास्थ्य सेवायें
परिवार कल्याण प्रोग्राम
सुरक्षित पेयजल
- 17 कल्याण विभाग “अनुसूचित जातियों व पिछड़े वर्ग”
वृद्धावस्था एवं अन्य पेंशन
- 18 विविध
नगर पालिकाएँ
जिला राजस्व
रजिस्ट्रीकरण
पुलिस तथा अपराध
हरियाणा सरकार के कर्मचारी
मनोरंजन
टेलिविजन सैट
बचत
विकेन्द्रीकरण योजना
खेलकूद
चुनाव तथा मतदाता
- परिशिष्ट -3 जिला एक दृष्टि में

परिशिष्ट - 1

जिला सामाजिक आर्थिक पुनरिक्षण - जिला भिवानी

22 दिसम्बर, 1972 को पुराने हिसार जिले को विभाजित करके भिवानी को अलग पृथक जिले के रूप में स्थापित किया गया। इसका क्षेत्रफल राजस्व रिकार्ड के अनुसार 465504 हेक्टेयर है। जबकि भारतीय सर्वेक्षण अनुसार 4778 वर्ग किलोमीटर है।

1 जिला भिवानी में इस समय कुल 444 गाँव हैं। जो 10 सामुदायिक विकास खण्डों में विभाजित हैं। इस समय जिला में 5 उपमण्डल व 6 तहसीले हैं। जिले का क्षेत्रफल राजस्व रिकार्ड के अनुसार 465504 हेक्टेयर तथा भारतीय सर्वेक्षण विभाग के अनुसार जिले का क्षेत्रफल 4778 वर्ग किलोमीटर है। जो राज्य का 10.80 प्रतिशत है। 2001 की जनगणना के आकड़ों के आधार पर जिले की जनसंख्या 1425022 हो गई है। इसमें से 758253 पुरुष व 666769 स्त्रियाँ हैं। जिले का लिंगानुपात 879 है तथा साक्षरता दर 67.05 प्रतिशत है।

2 जिला भिवानी की जलवायु अनिश्चितता लिये हुये हैं। अर्थात् यहाँ पर गर्मियों में अधिक गर्मी तथा सर्दियों में अत्याधिक सर्दी होती है। गर्मियों में वहाँ का तापमान अधिकतम 45 डिग्री सें0 तक पहुँच जाता है तथा सर्दियों में 3 डिग्री सें0 तक गिर जाता है। जिला भिवानी में 1998-2002 के दौरान पाँच वर्षीय योजना औसत सामान्य वर्षा 283.4 मि0 मी0 रिकार्ड की गई जबकि वर्ष 2005 के दौरान वार्षिक वर्षा 409.20 मि0 मी0 रिकार्ड की गई।

3 वर्ष 2005-2006 में गाँव की प्रपत्रों अनुसार जिले का कुल क्षेत्रफल 465 हजार हेक्टेयर है। वर्ष 2005-2006 में कृषि योग्य भूमि का क्षेत्रफल 418 हजार हेक्टेयर है। जो कुल क्षेत्रफल का 89.79 प्रतिशत है। निबल बोया गया क्षेत्रफल 394 हजार हेक्टेयर है जो कृषि योग्य भूमि का 94.25 प्रतिशत है। एक से अधिक बार बोया गया क्षेत्रफल 420 हजार हेक्टेयर है जो निबल बोये गये क्षेत्र का 106.59 प्रतिशत है। इस प्रकार 2005-2006 में कुल बोया गया क्षेत्र 792 हजार हेक्टेयर है कुल बोये गये क्षेत्र में से खाद्यान्नों के अर्न्तगत 45.68 प्रतिशत, दालों के अधीन है 11.14 प्रतिशत, नकदी फसलें गन्ना, तेल बीज, कपास तथा फल व सब्जियों के अधीन 30.68 प्रतिशत क्षेत्र है। तिलहन के अधीन 22.81 प्रतिशत क्षेत्र है जो सबसे अधिक है इसके पश्चात बाजरा का स्थान आता है जो 28.09 प्रतिशत है

4 जिले में सात मण्डियाँ तथा 9 सबयार्ड हैं, इन मण्डियों में मुख्य आमदन गेहूँ तथा सरसों की है। जिले में अनाज संग्रहण करने के लिये गोदाम भी उपलब्ध है।

5 वर्ष 2005-2006 में नहरों, नलकूप व पम्पिंग सैट द्वारा जिले का 1320 सौ हेक्टेयर निबल सिंचित क्षेत्र रहा। जिसमें 1480 सौ हेक्टेयर क्षेत्र सरकारी नहरों द्वारा सिंचित किया गया वर्ष 2006-2007 में सरकारी व गैर सरकारी नलकूपों की संख्या 32790 रही। सिंचाई की समता का मुख्य भाग गेहूँ कपास तथा सरसों की फसलों में प्रयोग किया जाता है।

6 जिला भिवानी के सभी गावों का विधुतीकरण हो चुका है तथा लगभग सभी गावों पक्की सड़कों से जुड़े हुए हैं।

7 सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ भिवानी के अनुसार वर्ष 2006-2007 में जिले में सभी प्रकार की 1104 सहकारी समितियाँ हैं। जिन की सदस्यता 197510 है। जिसके अनुसार प्रति लाख व्यक्तियों के पीछे 77 समीतिया कार्यरत हैं।

8 जिला भिवानी में चिकित्सा सेवायें विभिन्न संस्थाओं जैसे कि राज्य सरकार स्थानीय निकाय तथा एच्छिक संस्थाओं द्वारा प्रदान की जाती हैं। जिले में 7 अस्पताल 16 डिस्पेंसरियाँ, 211 सब सैन्टर, एक क्षय रोग केन्द्र तथा 37 प्राथमिक चिकित्सा केन्द्रों और 7 सामुदायिक केन्द्रों द्वारा चिकित्सा प्रदान की गई। वर्ष 2006-2007 में जिले में 7 परिवार केन्द्र थे। जिनमें नसबन्दी तथा ट्यूबकामी के 6528 केसिज किये गये। उपरोक्त के अतिरिक्त जिला भिवानी में 49 आर्युवैदिक संस्थाओं में चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है।

9 वर्ष 2006-2007 में जिला भिवानी में 364 प्राथमिक विद्यालय (पूर्व प्राथमिक बाल बाड़ी सहित) 211 माध्यमिक तथा 288 राजकीय उच्च व वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय थे। जिला में राजकीय तथा अराजकीय विद्यालयों में 122 प्राथमिक, 23 माध्यमिक तथा 56 उच्च व वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय केवल छात्राओं के लिये हैं। इन विद्यालयों में 363857 विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान की गई। जिनमें से 67017 विद्यार्थी अनुसूचित जाति के थे। इन स्कूलों में 12025 अध्यापक कार्यरत रहे। जिले में प्राथमिक स्तर पर 47 विद्यार्थी, माध्यमिक स्तर पर 56 विद्यार्थी तथा 22 विद्यार्थी उच्च तथा वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर प्रति अध्यापक अनुपात रहा।

10 इसके अतिरिक्त वर्ष 2006-2007 में जिला भिवानी में 11 कला तथा विज्ञान के महाविद्यालय कार्यरत हैं। जिनमें कुल 16717 विद्यार्थी डिग्री स्तर की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जिनमें 2170 विद्यार्थी अनुसूचित जाति के हैं।

11 जिला भिवानी में 3 इन्जिनियरिंग, 4 शिक्षा प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं 12 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भी विभिन्न पाठ्यक्रमों में शिक्षा प्रदान कर रहे हैं।

स्थिति तथा भौतिक विशेषताएँ

1 स्थिति:-

जिला भिवानी हरियाणा राज्य के उत्तर में 28.19 और 29.5 अक्षांश तथा पूर्व में 75.28 और 76.28 रेखांश के मध्य में स्थित है। इसके उत्तर दिशा में हिसार दक्षिण में महेन्द्रगढ़ व राजस्थान का झुन्झनु जिला पूर्व में रोहतक और पश्चिम में राजस्थान का इस जिले में सीमा पड़ती है।

2 क्षेत्रफल तथा प्रशासनिक ढांचा

जिला भिवानी का वर्ष 2006-2007 के राजस्व रिकार्ड के अनुसार कुल क्षेत्रफल 4655.04 हजार हैक्टेयर है जबकि भारतीय सर्वेक्षण विभाग के अनुसार जिले का भौगोलिक क्षेत्रफल 4778 वर्ग कि० मी० है जो राज्य के क्षेत्रफल का 18.8 प्रतिशत है। जिले में भिवानी, बवानी खेड़ा, तोशाम, चरखी दादरी, लोहारु तथा सिवानी में 6 तहसीलें हैं, जो 5 उपमण्डलों में अर्थात् भिवानी, चरखी दादरी, लोहारु, सिवानी तथा तोशाम के अन्तर्गत आती हैं। जिले का प्रशासनिक मुख्य कार्यालय भिवानी में स्थित है जिले का मुख्य प्रशासनिक कार्यालय भिवानी से दिल्ली-पिलानी मार्ग पर दिल्ली से 120 किलोमीटर दूरी पर है।

3 जिला भिवानी में 444 गांव हैं। यह सभी गांव 10 सामुदायिक विकास खण्डों के अधीन आते हैं तहसील भिवानी के अन्तर्गत भिवानी खण्ड तहसील चरखी दादरी में चरखी दादरी खण्ड प्रथम व द्वितीय तथा बाढ़डा खण्ड, तहसील लोहारु के अन्तर्गत, लोहारु खण्ड, तहसील सिवानी के अन्तर्गत सिवानी खण्ड, तहसील तोशाम के अन्तर्गत, तोशाम तथा कैरु खण्ड तथा बवानी खेड़ा के अन्तर्गत बवानी खेड़ा खण्ड आता है। जिला भिवानी में 5 नगर तथा 462 ग्राम पंचायतें हैं। पंचायतों की कुल सदस्य संख्या 4564 पंच तथा 462 सरपंच हैं। जिला भिवानी में 7 मार्किट कमेटियां हैं। जिनमें 2 मार्किट कमेटियां भिवानी में 1 तोशाम तहसील में एक चरखी दादरी तहसील में तथा 2 लोहारु तहसील में और एक सिवानी तहसील में हैं। इसके अतिरिक्त 7 सबवार्ड भी हैं।

4 भौतिक विशेषताएँ

जिला भिवानी का भू-भाग ऊँचों नीचा है और यह रेतीला और शुष्क है। जिले का पश्चिम भू-भाग मरुस्थलीय है। जो कि टिबा नाम से जाना जाता है भूमि का बहाव मुख्यतः उत्तर पूर्व से दक्षिण पश्चिम की ओर है। जिले का दक्षिण भू-भाग में अरावली पर्वत की शाखाएँ हैं। जिनसे सड़क मकान आदि बनाने में प्रयोग होने वाले पत्थर बहुतायतमें पाये जाते हैं। अरावली पर्वत की शाखाओं में सबसे ऊँची शाखा तोशाम में है। जिसकी ऊँचाई लगभग 800 फुट है। भिवानी नगर में अनेको प्राचीन मन्दिर होने के कारण इसे छोटी कांशी के नाम से भी जाना जाता है। नगर का किरोड़ीमल मन्दिर अपनी भव्यता व सुन्दरता के लिये सुविख्यात है।

5 खनिज सम्पदा

जिला भिवानी खनिज सम्पदा के सन्दर्भ में अधिक सक्षम नहीं है। क्योंकि वहाँ कोई महत्वपूर्ण खनिज उपलब्ध नहीं है।

6 नदियाँ

जिला भिवानी में कोई भी नदी नहीं है।

7 जलवायु तथा वर्षा

जिला भिवानी का मौसम गर्मियों में अधिक गर्म तथा सर्दियों में अधिक ठण्डा रहता है। मई तथा जून के महीनों में सबसे अधिक गर्मी होती है। इन दिनों में तापमान 43 डिग्री सै० ग्रे० से 45 डिग्री सै० ग्रे० तक होता है दिसम्बर से जनवरी तक बहुत ठण्ड पड़ती है। इस दौरान तापमान 3 डिग्री सै० ग्रे० तक गिर जाता है। वर्ष 1998-2002 तक 5 वर्षों की औसत मासिक सामान्य वर्षा 283.4 मि० मी० रही जबकि वर्ष 2005 में वार्षिक औसत वर्षा 409 मि० मी० रिकार्ड की गई।

8 मिट्टी

मिट्टी की दृष्टि से जिले को चार भागों में बाटा जा सकता है। 1 काली मिट्टी 2 चिकनी एवं उपजाऊ रेतीली तथा चिकनी 4 रेतीली मिट्टी। जिले में उत्तरी पूर्व भाग की मिट्टी काली है। उत्तरी भाग में चिकनी एवं उपजाऊ, दक्षिणी पूर्वी भाग में रेतीली तथा चिकनी तथा दक्षिणी भाग में लोहारु तथा सिवानी तहसील के कुछ भाग की मिट्टी रेतीली है।

9 भू-जल

जिला भिवानी के भू-भाग में पानी की सतह बहुत गहरी है। विकास खण्ड दादरी-2, बाढ़डा, लोहारु, सिवानी, तोशाम तथा कैरु में भू-जल स्तर जमीन की सतह से लगभग 150 फुट गहराई तक पाया जाता है। जिले के कुछ भू-भाग में भू-जल खारा है। यह समस्या दादरी विकास खण्ड दादरी-2 बाढ़डा, सिवानी व तोशाम में ज्यादा है। विगत कई वर्षों से भू-जल स्तर में औसत 4 से 6 फुट की वार्षिक दर से गिरावट जा रही है।

जनगणना 2001 के अन्तिम आकड़ों के आधार पर

10 जनगणना के आकड़े

जिला भिवानी की जनसंख्या जनगणना 2001 के आकड़ों के आधार पर जनसंख्या 1425022 है। जिसमें 758253 पुरुष व 666769 स्त्रियां हैं। जबकि 1991 की जनगणना के आधार पर जिले की जनसंख्या 1139718 थी। जिसमें 605378 पुरुष व 533340 स्त्रियां थी। 1991-2001 की अवधि में जिले की जनसंख्या में 22.45 प्रतिशत दशकीय वृद्धि हुई है। जबकि 1981-1991 दशकीय वृद्धि पर 22.90 थी। हरियाणा राज्य की दशकीय वृद्धि दर में भी बढ़ोतरी हुई है। यह दर 1981-1991 में 27.4 प्रतिशत से बढ़कर 1991-2001 में 28.06 प्रतिशत हो गई है।

11 घनत्व

भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा दिये गये भौगोलिक क्षेत्र के आकड़ों के अनुसार जिले का क्षेत्रफल 4778 वर्ग कि० मी० है। जो राज्य के क्षेत्रफल का 10.80 प्रतिशत है। जनगणना 2001 के आधार पर राज्य की 9.52 प्रतिशत जनसंख्या वहाँ रहती है। वर्ष 2001-02 में जनगणना 2001 के आधार पर जिले का घनत्व 298 व्यक्ति प्रति वर्ग कि० मी० है। हरियाणा राज्य का घनत्व 1991 में 372 व्यक्ति प्रति वर्ग कि० मी० तथा 2001 में 477 व्यक्ति प्रति वर्ग कि० मी० हो गया है।

12 ग्रामीण व शहरी जनसंख्या

जनगणना 2001 के अन्तिम आकड़ों के अनुसार जिला की लगभग 81.03 प्रतिशत जनसंख्या अर्थात् 1154629 ग्रामीण क्षेत्र में रहती है। जिसमें 612789 पुरुष तथा 541840 स्त्रियां हैं। जिला की शहरी जनसंख्या में 270393 जो कि कुल जनसंख्या का 16.97 प्रतिशत है। जिसमें 145464 पुरुष तथा 124929 स्त्रियां हैं।

ग्रामीण क्षेत्र में तहसील बवानी खेड़ा में 96709 जनसंख्या में 51385 पुरुष व 45324 स्त्रियां भिवानी की 305342 जनसंख्या में 163361 पुरुष व 141981 स्त्रियां तोशाम की 151212 जनसंख्या में 80513 पुरुष व 70699 स्त्रियां, सिवानी की 69076 में 36472 पुरुष व 32604 स्त्रियां, लोहार की 126511 की जनसंख्या में 66497 पुरुष व 60014 स्त्रियां, दादरी की 405779 जनसंख्या में 214561 पुरुष व 191218 स्त्रियां, शहर भिवानी की 169531 जनसंख्या में 91697 पुरुष व 77834 स्त्रियां, तोशाम की 11272 जनसंख्या में 5981 पुरुष व 5291 स्त्रियां, सिवानी की 15850 जनसंख्या में 8463 पुरुष व 7367 स्त्रियां लौहार की 11421 जनसंख्या में 5991 पुरुष व 5430 स्त्रियां तथा दादरी की 44895 जनसंख्या में 24059 पुरुष व 20836 स्त्रियां हैं। जिला की ग्रामीण जनसंख्या 2001 में 1154629 है। जो 1991 में 948150 थी। इस तरह ग्रामीण जनसंख्या में 22.38 प्रतिशत दशकीय वृद्धि हुई। जिला की शहरी जनसंख्या 1991 में 176368 से बढ़कर 2001 में 270393 हो गई है। अतः शहरी जनसंख्या में 37.51 प्रतिशत दशकीय वृद्धि हुई।

जिला के 5 नगरों में भिवानी नगर की जनसंख्या एक लाख से अधिक होने के कारण श्रेणी-1 तथा चरखी दादरी-111 तथा बवानी खेड़ा, सिवानी, लौहार, व तोशाम श्रेणी- 4 के नगर हैं।

13 0.6 आयु वर्ग की जनसंख्या

जिला भिवानी की जनगणना 1991 में 0.6 आयु वर्ग के बच्चों की संख्या कुल जनसंख्या का 19.33 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2001 में 15.50 प्रतिशत रह गई है। जनगणना 2001 में 0-6 आयु वर्ग के बच्चों की संख्या 220632 है। जबकि 1991 में राज्य की 0-6 आयु वर्ग के बच्चों की संख्या कुल जनसंख्या का 18.96 प्रतिशत से घटकर जनगणना 2001 में 15.46 प्रतिशत रह गई है।

जिला के ग्रामीण क्षेत्र में 0-6 आयु वर्ग के बच्चों की जनसंख्या 184011 है। जो कुल ग्रामीण जनसंख्या का 15.49 प्रतिशत है तथा शहरी क्षेत्र में यह संख्या 36821 है। जो कि जिला की कुल शहरी जनसंख्या का 13.62 प्रतिशत है।

14 मलिन बस्तियों की जनसंख्या

जिला के भिवानी नगर की 41443(24.46) प्रतिशत जनसंख्या मलिन बस्तियों में रहती है। इसमें 22247 पुरुष तथा 19196 स्त्रियां हैं। 0-6 आयु वर्ग में बच्चों की 5603 जनसंख्या में 3174 पुरुष तथा 2529 स्त्रियां हैं।

15 लिंगानुपात

जिला भिवानी में जनगणना 2001 के अनुसार प्रति हजार पुरुषों पर 880 महिलाओं का अनुपात है। जो 1991 में भी 880 था इससे स्पष्ट है कि स्त्री पुरुष अनुपात में 1991 की तुलना में 2001 में गिरावट नहीं हुई है। हरियाणा राज्य में यह अनुपात 861 है। जो राज्य में सबसे कम स्तर पर पहुँच गया है।

जिला भिवानी में ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में यह अनुपात क्रमशः 885 तथा 858 है। ग्रामीण क्षेत्र में स्त्री पुरुष अनुपात तहसील बवानी खेड़ा में, भिवानी, तोशाम, सिवानी, लोहारू तथा चरखी दादरी में क्रमशः 882, 871, 875, 896, 902 तथा 893 तथा शहरी क्षेत्र के 4 नगरों बवानी खेड़ा, भिवानी, सिवानी, तथा चरखी दादरी में क्रमशः 884, 847, 872, तथा 868 है।

16 0-6 आयु वर्ग के बच्चों में लिंगानुपात

जिला का 0-6 आयु वर्ग के बच्चों का लिंगानुपात 838 है। ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र में यह अनुपात क्रमशः 841 तथा 821 है। ग्रामीण क्षेत्र में 6 तहसीले बवानी खेड़ा, भिवानी, तोशाम, सिवानी, लोहारू तथा चरखी दादरी में क्रमशः 862, 837, 872, 849, 853, 817 है तथा शहरी क्षेत्र के 4 नगरों बवानी खेड़ा, भिवानी, सिवानी, तथा चरखी दादरी में क्रमशः 917, 810, 839, 774 है।

हरियाणा राज्य में स्त्री पुरुष अनुपात 820 है। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में क्रमशः 824 व 809 है। जिला के चरखी दादरी नगर का लिंगानुपात 774 है। जो जिला में सबसे कम है तथा चरखी दादरी तहसील का लिंगानुपात 817 है। जो जिला की 6 तहसीलों में सबसे कम है।

17 मलिन बस्तियों में लिंगानुपात

जिला भिवानी के भिवानी नगर की 24.46 प्रतिशत जनसंख्या मलिन बस्तियों में रहती है। इन बस्तियों में रहने वाली जनसंख्या में स्त्री पुरुष अनुपात 863 है मलिन बस्तियों में 0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या में स्त्री पुरुष अनुपात 823 है।

18 साक्षरता

जनगणना 2001 में जिला भिवानी में 620386 व्यक्ति साक्षर है जिसमें 517730 पुरुष तथा 302052 स्त्रियाँ हैं। जनगणना 2001 में जिला में 68.17 प्रतिशत की साक्षरता दर दर्ज की गई। जिला में पुरुष साक्षरता दर 81.91 तथा स्त्री साक्षरता दर 53.50 की तुलना में अधिक रही जनगणना 2001 के अनुसार राज्य की साक्षरता दर 68.59 प्रतिशत है। पुरुष तथा स्त्री साक्षरता दर क्रमशः 79.27 तथा 56.31 है।

19 साक्षरता ग्रामीण व शहरी

जनगणना 2001 के अनुसार जिला में ग्रामीण क्षेत्र में 65.94 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर है। जिनमें 60.04 प्रतिशत पुरुष तथा 50.17 प्रतिशत स्त्रियाँ साक्षर है। शहरी क्षेत्र में 77.43 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर है। जिनमें 85.90 प्रतिशत पुरुष तथा 67.52 प्रतिशत स्त्रियाँ साक्षर है जबकि 1991 की जनगणना अनुसार ग्रामीण व शहरी स्तर पर साक्षरता दर क्रमशः 51.27 तथा 67.60 प्रतिशत रही।

ग्रामीण साक्षरता की दृष्टि से तहसील बवानी खेड़ा, भिवानी, तोशाम, सिवानी, लोहारू तथा चरखी दादरी में साक्षरता दर क्रमशः 63.61, 66.26, 62.42, 60.53, 53.90 व 69.89 प्रतिशत है। उक्त तहसीलों में पुरुष साक्षरता दर क्रमशः 76.89, 79.07, 76.78, 75.71, 80.04 व 83.46 तथा स्त्री साक्षरता दर क्रमशः 48.55, 51.66, 46.00, 43.77, 46.21 तथा 53.32 प्रतिशत है। शहरी साक्षरता दर में जिला भिवानी के 6 नगरों बवानी खेड़ा, भिवानी, तोशाम, सिवानी, लोहारू तथा च0 दादरी में क्रमशः 67.02, 79.26, 74.56, 60.61, 66.72 तथा 80.62 प्रतिशत है। उक्त नगरों में पुरुष साक्षरता दर क्रमशः 79.54, 86.78, 84.20, 60.11, 79.73 तथा 85.89 तथा स्त्री साक्षरता दर क्रमशः 52.76, 70.44, 63.62, 55.53, 52.43 तथा 71.48 प्रतिशत है।

20 मलिन बस्तियों में साक्षरता

जिला भिवानी की भिवानी नगर परिषद की मलिन बस्तियों की कुल जनसंख्या 41443 में 27139 व्यक्ति साक्षर है। जिनमें 16165 पुरुष तथा 10974 स्त्रियाँ साक्षर है इन बस्तियों में साक्षरता दर 75.72 प्रतिशत दर्ज की गई

21 वनों के अधीन क्षेत्रफल

वन विभाग के अनुसार जिले में वर्ष 2006-2007 में लगभग 89 वर्ग कि० मी० क्षेत्र वनों के अधीन था। जो कुल क्षेत्रफल का 1.86 प्रतिशत है। इस समय जिला में 1 वर्ग कि० मी० आरक्षित राज्य वन क्षेत्र तथा 88 वर्ग कि०मी० सरक्षित राज्य वन क्षेत्र में आता है।

कृषि**22 भूमि का प्रयोग**

वर्ष 2005-2006 में गांव पत्रों के अनुसार जिला भिवानी का कुल क्षेत्रफल 465504 हैक्टेयर है। जिसमें से 0.57 प्रतिशत वनों के अधीन, खेती बाड़ी से भिन्न प्रयोग में लाई गई भूमि 5.09 प्रतिशत तथा फसलों के अधीन कुल क्षेत्रफल 792 हजार हैक्टेयर में से 49.74 प्रतिशत क्षेत्र बुवाई किया गया क्षेत्र निबल आता है।

23 वर्ष 2005-2006 में कृषि योग्य भूमि 418 हजार हैक्टेयर है। जबकि निबल बोया गया क्षेत्र 394 हजार हैक्टेयर है। एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्र 420 हजार हैक्टेयर है जो कुल बोये गये क्षेत्र का 53.03 प्रतिशत है। वर्ष 2005-2006 में जिला भिवानी में कुल बोया गया क्षेत्र 792 हजार हैक्टेयर रहा।

24 तहसील भिवानी, बवानी खेड़ा, तोशाम, दादरी, लोहारु तथा सिवानी में निबल बोया गया क्षेत्र क्रमशः 80.4 हजार, 31.7 हजार, 60.7 हजार, 118.2 हजार, 58.9 हजार तथा 44.1 हजार हैक्टेयर है। जो कुल निबल क्षेत्र का तथा 20.40, 8.04, 15.40, 30.00, 14.94, तथा 11.19 प्रतिशत है। जिला भिवानी का दक्षिणी भाग रेतीला तथा ऊँचा नीचा है। परन्तु सिचाई आदि की नई तकनीक जैसे फुवारा सिचाई आदि के कारण वर्तमान में खाद्यान्न उत्पादन में काफी वृद्धि हुई है।

25 कृषि जोतें

कृषि गणना 2000-2001 के अनुसार जिला भिवानी में कुल 114448 कृषि जोते कार्यरत थी। इन जोतों में 54.68 प्रतिशत जोते 2 हैक्टेयर तक की, 26.61 प्रतिशत 2 से 5 हैक्टेयर तक की, 12.32 प्रतिशत 10 हैक्टेयर तक की, 5.18 प्रतिशत 20 हैक्टेयर तक की तथा 1.19 प्रतिशत 25 हैक्टेयर तथा इससे ऊपर की थी।

26 जिला भिवानी की रबी की मुख्य फसलें गेहूँ व सरसो तथा खरीफ की मुख्य फसल बाजरा तथा कपास की हैं। वर्ष 2005-2006 में कुल बोये गये 792 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में से 118.6 हजार है० अर्थात् 14.97 प्रतिशत गेहूँ के तथा 179.1 हजार हैक्टेयर अर्थात् 22.61 प्रतिशत तिलहन के अधीन रहा, 222.5 हजार हैक्टेयर क्षेत्र अर्थात् 28.09 प्रतिशत क्षेत्र बाजरे के तथा 60.5 हजार हैक्टेयर अर्थात् 7.63 प्रतिशत क्षेत्र कपास के अधीन रहा। जबकि वर्ष 2004-2005 में बोये गये क्षेत्र में 15.60 प्रतिशत क्षेत्र गेहूँ के अधीन तथा 22.48 प्रतिशत क्षेत्र सरसो के अधीन था तथा 22.35 प्रतिशत क्षेत्र बाजरे के अधीन था।

27 मुख्य फसलों का उत्पादन

फसलों के अधीन उत्पादन में प्राकृतिक साधनों जैसे वर्षा, जलवायु तथा भूमि उपजाऊ शक्ति का मुख्य योगदान रहा है। जिले की मुख्य फसलें गेहूँ व बाजरा हैं।

28 वर्ष 2005-2006 में गेहूँ का उत्पादन 390 हजार टन, जौ का उत्पादन 12 हजार टन, बाजरा का उत्पादन 153 हजार टन था। बाजरा की औसत उपज 687 किलोग्राम गेहूँ की 3278 किलोग्राम एवं सरसों की 1119 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर रही।

29 अधिक उपजाऊ किस्में

जिला भिवानी में गेहूँ तथा बाजरा की अधिक उपजाऊ किस्मों के बीजों का प्रयोग हो रहा है। वर्ष 2005-2006 में गेहूँ के अधीन लगभग 99.5 प्रतिशत क्षेत्र तथा बाजरा के अधीन 76.9 प्रतिशत क्षेत्र में अधिक उपजाऊ बीजों का प्रयोग हुआ है।

30 वर्ष 2006-2007 में जिला भिवानी में 21000 टन गेहूँ की विभिन्न एजेन्सियों द्वारा खरीद की गई।

31 रासायनिक खाद का वितरण

वर्ष 2006-2007 में कुल खाद का उपयोग 47146 टन रहा उपयोग में नाइट्रोजन 33780 टन तथा फास्फोरस 12868 टन का उपयोग रहा, जबकि पोटैश का उपयोग केवल 498 टन रहा।

32 पौधों की सुरक्षा के उपाय

वर्ष 2006-2007 में 200.0 टन कीटनाशक दवाओं का उपयोग किया गया। जो मुख्यतः गेहूँ तथा कपास की फसलों के अधीन क्षेत्र में किया गया इसके अतिरिक्त सरसों की फसल पर भी कीटनाशक दवाओं का प्रयोग किया गया।

33 कृषि यन्त्र तथा उपकरण

पशुगणना 1997 के अनुसार जिले में उपयोग किये गये कृषि यन्त्र तथा उपकरणों में ट्रैक्टर की संख्या 17599 थी। कम्बाईन हारवेस्टर की संख्या 19541 थी। जो कि ट्रैक्टर चालित थे इसके अतिरिक्त 15120 लकड़ी के तथा 23853 लोहे के हल प्रयोगरत थे।

34 कृषि उपज बिक्री संग्रहण

वर्ष 2006-2007 में भिवानी में कृषि उपज की पूर्ति के लिये 7 मार्केट कमेटीयों तथा 7 सबवार्ड द्वारा बिक्री एवं खरीद करवाई गई। जिसमें मुख्यतः आमदन जौ, गेहूँ, सरसों बाजरा तथा चने की फसल रहा। इन सभी मण्डियों में 218300 टन कुल कृषि उत्पादन की आमद रही जबकि 2005-2006 में कुल कृषि उत्पादन की आमद 263800 टन रही।

35 वर्ष 2006-2007 के दौरान इन सभी मण्डियों में गेहूँ की आमद 2100 टन जौ की आमद 7200 टन, आलू की आमद 8000 टन रही। सरसों तोरिया तथा तारामीरा की आमद 88800 टन रही।

36 इन मण्डियों में किसानों को रात को ठहरने के लिये किसान विश्राम ग्रह है तथा इसके अतिरिक्त पीने के पानी पशुशाला इत्यादि की सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं।

37 जिला भिवानी में वर्ष 2006-2007 में सरकारी गोदामों की क्षमता 57000 टन थी।

38 समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम

जिला ग्रामीण विकास एजेन्सी भिवानी में अपनी स्थापना से ही ग्रामीण क्षेत्र में गरीबी से अभिशाप को समाप्त करने के लिये भरसक प्रयास रहे हैं और इस दिशा में इसे न केवल शत प्रतिशत भौतिक एवं आर्थिक लक्ष्य प्राप्त करने का ध्येय है। वह गरीब ग्रामीण परिवारों के आर्थिक स्तर में वास्तविक दृष्टि लाने में सफल रही है। अब इस दिशा में और कारगर रूप से सक्रिय है। एजेन्सी का यह दृढ़ संकल्प है कि वह जिला भिवानी के हर परिवार की इतनी आर्थिक सहायता प्रदान करवा दे कि वह सदा के लिये गरीबी की रेखा को पार कर ले। वर्ष 2005-2006 में ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत 1743 गरीब परिवारों को 565.80 रुपये के ऋण और 149.72 रुपये का अनुदान वितरित किया गया इन लाभान्वित परिवारों में से 737 परिवार अनुसूचित जातियों से सम्बन्धित हैं। कुल लाभान्वित परिवारों में से 42.28 प्रतिशत अनुसूचित जातियों से सम्बन्धित थे। इन लाभान्वित परिवारों में 925 महिलाएँ थीं।

39 भूमि विकास कार्यक्रम

जिला भिवानी में 2006-07 के दौरान 151 हेक्टेयर भूमि सममतल की गई तथा परिवारों द्वारा सिंचाई हेतु 598 पाईप किसानों को वितरित किये गये।

सिंचाई

40 वर्ष 2005-2006 में निबल सिंचित क्षेत्र 280000 हैक्टेयर था। जो कि बोये गये निबल क्षेत्र का 71.06 प्रतिशत था। स्ट्रोतानुसार निबल सिंचाई के क्षेत्र में 47.14 प्रतिशत ट्यूबवलो से तथा 52.85 प्रतिशत नहरों का योगदान रहा। ट्यूबवलो द्वारा कुल 132000 हैक्टेयर नहरों द्वारा 148000 हैक्टेयर भूमि की सिंचाई की गई।

41 वर्ष 2005-2006 में कुल सिंचित क्षेत्र कुल बोये गये क्षेत्र का 35.35 प्रतिशत था तथा निबल सिंचित क्षेत्र निबल बोये गये क्षेत्र का 71.06 प्रतिशत रहा।

42 फसल अनुसार सिंचित क्षेत्र

वर्ष 2005-2006 में फसल अनुसार कुल बोया गया क्षेत्र 792 हजार हैक्टेयर था। जिसमें 35.35 प्रतिशत सिंचित था फसल अनुसार सिंचित क्षेत्र की स्थिति इस प्रकार रही, गेहूँ के अधीन 42.50 प्रतिशत धान के अधीन 4.64 प्रतिशत, बाजरा के अधीन 8.92 प्रतिशत रही।

43 सिंचाई की सघनता

वर्ष 2005-2006 में जिला भिवानी में कुल सिंचित क्षेत्र 3850 सौ हैक्टेयर तथा निबल सिंचित क्षेत्र 2800 सौ हैक्टेयर पर था। बोये गये कुल क्षेत्र के मुकाबले में कुल सिंचित क्षेत्र की प्रतिशतता भिवानी 51.02 प्रतिशत, बवानी खेडा 74.44 प्रतिशत, तोशम 29.22 प्रतिशत, दादरी 57.35 प्रतिशत, लौहार 58.26 प्रतिशत, तथा सिवानी 16.28 प्रतिशत, रही।

44 नलकूप/पम्पिंग सैट

वर्ष 2006-2007 में कुल नलकूपों तथा पम्पिंग सैटों की संख्या 72790 है।

45 बाढ़

जिला भिवानी में कोई भी नदी (बरसाती आदि भी) न होने के कारण बरसात के मौसम में भी बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने की सम्भावना बहुत कम है।

पशुपालन तथा डेरी

46 पशुधन

2003 की पशुगणना अनुसार जिला भिवानी में पशुधन की संख्या 785600 तथा कुकुटादि संख्या 280300 थी। 2004 में कुल पशुधन में से 11.90 प्रतिशत गाय व बैल, 56.22 प्रतिशत भैंसें, 20.68 प्रतिशत भेड़ें, तथा बकरी, 0.64 प्रतिशत घोड़े तथा खच्चर, 10.53 प्रतिशत ऊट सुअर तथा कुत्ते थे।

47 जिला भिवानी में 2003 की पशुगणना के आधार पर प्रति हजार मनुष्यों के पीछे पशु संख्या 66 है। भैंसे 310 घोड़े तथा खच्चर 1, गधे 1, भेड़े 62 बकरियाँ 52 तथा कुकुटादि 197 व ऊट 10 थे।

48 पशु चिकित्सायें सेवायें

वर्ष 2006-2007 में जिला भिवानी में पशु चिकित्सा सेवायें प्रदान करने के लिये 52 पशु चिकित्सालय, 60 पशु चिकित्सा डिस्पेंसरियाँ, 5 क्षेत्रीय कृत्रिम गर्भादान केन्द्र, 76 स्टाकमैन केन्द्र तथा 2 कुकुटादि विस्तार केन्द्र व सुअर केन्द्र कार्यरत थे तथा 14 भेड़ ऊन विस्तार केन्द्र कार्यरत थे।

49 सभी संस्थाओं द्वारा वर्ष 2006-2007 में 329000 पशुओं का इलाज किया गया। इस वर्ष के दौरान 25000 गाय तथा 92000 भैंसों का कृत्रिम गर्भाधान करवाया गया। जिला भिवानी में सधन पशुधन विकास परियोजनाओं के अन्तर्गत एक मध्यम आकार की परियोजना कार्य कर रही है। जिसके अन्तर्गत एक वीर्य बैंक भी है। जिला भिवानी में 2006-2007 में 21 विकसित गौशाला थी तथा ये सभी गौशाला सधन से सम्बन्धित थी।

50 डेरी दुग्ध उत्पादन

दुग्ध उत्पादन कृषकों के लिये अतिरिक्त आय का एक मुख्य साधन है। 2003 की पशुगणना अनुसार कुल पशुधन आर्थात् 280300 में से 18600 दुधारु पशु थे।

51 जिला भिवानी में एक मिल्क प्लांट भी है। इस प्लांट में दूध को ठण्डा किया जाता है। इसमें जिला रोहतक के दुग्ध सधन में उत्पादित वीटा धी की बिक्री की जा रही है।

- 52 वर्ष 2006-2007 में मछली पालन से कुल 108630 हजार रुपये की आय हुई तथा वर्ष के दौरान 40 रुपये का मुआवजा वसूल किया गया।
- 53 मछली पालन के लिये कुल 721 हैक्टेयर भूमि को प्रयोग में लाया गया 3621 टन विभिन्न प्रकार की मछली का विपणन हुआ।
- 54 वर्ष 2006-2007 में कुल 42900 रुपये के मछली के बीज का वितरण किया गया।

विधुत

- 55 **विधुतीकरण शहरी/गांव**
जिला में स्थित सभी शहरो तथा गांव का विधुतीकरण हो चुका है।
- 56 **नलकूप**
वर्ष 2006-2007 में भिवानी में विधुतीकृत नलकूपों की संख्या 23341 थी। जिसमें 22591 कृषि निजि के नलकूप थे।
- 57 **विभिन्न परियोजनाओं में विधुत का उपयोग**
भिवानी सर्कल में वर्ष 2006-2007 में 5538 सर्कट किलोमीटर एल0 टी0 लाईनें, 6324 सर्कट किलोमीटर 11 के0 वी0 लाईन्ज तथा 14541 ट्रांसफार्मर थे। इस प्रकार जिला भिवानी में संयोजनों की संख्या 246046 हो गई है कुल संयोजनों में 81.82 प्रतिशत धरेलू, 7.50 प्रतिशत वाणिज्य, 1.15 प्रतिशत औधौगिक, 9.18 प्रतिशत कृषि तथा शेष 0.33 प्रतिशत अन्य उपयोगों के लिये थे।
- 58 जिला भिवानी में बिजली का उत्पादन नहीं होता है। जिला में वर्ष 2006-2007 के दौरान 7603.07 लाख किलोवाट बिजली की खपत हुई जिसमें 1188.69 लाख किलोवाट घरेलू, 238.20 लाख किलोवाट वाणिज्यक, 1183.8 लाख किलोवाट औधौगिक, 12.90 लाख किलोवाट सार्वजनिक प्रकाश, 320.29 लाख किलोवाट सार्वजनिक जलपूर्ति, 3954.28 लाख किलोवाट कृषि, 56.61 लाख किलोवाट कार्यालय वर्कशाप आदि तथा 669.30 लाख बिजली भारी मात्रा में उपयोग करने वाले समायोजनों द्वारा खपत की गई।

खनिज पदार्थ तथा उद्योग

- 59 **खनिज उत्पादन**
जिला भिवानी में खनिज पदार्थ अधिक मात्रा में नहीं पाये जाते हैं। जिले में अरावली पर्वत की शाखाओं के होने के कारण वहाँ सड़क निर्माण में तथा मकान आदि बनाने में प्रयुक्त होने वाला पत्थर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। वर्ष 2004-2007 में सड़क निर्माण तथा मकान आदि में प्रयुक्त पत्थरों का उत्पादन लगभग 4080452 मी0 टन हुआ। जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 14.69 करोड़ रुपये आँकी गई इसके अतिरिक्त साल्ट पीटर का उत्पादन लगभग 200 मी0 टन हुआ, जिसकी कीमत लगभग 1.60 लाख रुपये आँकी गई तथा ब्रीक अर्थ का उत्पादन लगभग 220000 मी0 टन हुआ तथा इसकी कीमत लगभग 22 लाख रुपये आँकी गई।
- 60 **लघु उद्योग यूनिट**
वर्ष 2006 में जिला भिवानी में कुल 114 रजिस्टर्ड फेक्टरियाँ कार्यरत रही।
- 61 वर्ष 2006 में जिले में कुल 114 फेक्टरियाँ रजिस्टर्ड थी, 76 फेक्टरियाँ 2 एम (1), 1 फेक्ट्री 2 एम (11) के अधीन तथा 37 फेक्टरियाँ धारा 85 के अधीन रजिस्टर्ड थी, जिनमें अनुमानित 12835 कार्यकर्ता कार्य कर रहे थे।
- 62 **बड़े तथा मध्यम स्तरीय उद्योग यूनिट**
जिला भिवानी में निम्नलिखित बड़े तथा मध्यम स्तर के उद्योग स्थित हैं।
- 1 भिवानी टैक्सटाईल मिलज, भिवानी।
 - 2 एलीमेन्ट स्पीनर्स।
 - 3 हिन्दुस्तान गम एण्ड कैमीकल्स।
 - 4 एस0 के0 फायल्स
 - 5 पवार स्टील लिमिटेड
 - 6 आर0 के0 इस्पात
 - 7 विकास डबल्यू एस0 पी0 लि0 सिवानी।

सड़क तथा परिवहन

63 सड़कों की लम्बाई

लोक निर्माण विभाग "सड़के तथा भवन" द्वारा सारा वर्ष सड़कों की देख रेख की जाती है। वर्ष 2006-2007 में जिला भिवानी में 2015 कि० मी० पक्की तथा 30 कि० मी० कच्ची राज्य सड़के थी। जिला के सभी गांव पक्की सड़को से जुड़े हुये है। वर्ष 2006-2007 में जिला भिवानी में पक्की सड़को की कुल लम्बाई 2045 कि० मी० रही।

64 रेलवे स्टेशन एवं हरियाणा परिवहन बस स्टैण्डो की सख्यां

प्रायः जिले के सभी गांव पक्की सड़को से जुड़े हुये है। वर्ष 2006-2007 में जिला भिवानी में हरियाणा परिवहन, भिवानी द्वारा निर्मित 6 बस स्टैण्ड सेवायें प्रदान कर रहे है। जिला भिवानी में 10 रेलवे स्टेशन है।

65 राज्य परिवहन

जिला भिवानी में हरियाणा राज्य परिवहन भिवानी डिपू अपनी 174 बसों द्वारा सेवाये प्रदान कर रहा है। ये बसें जिला के भीतर व राज्य के तथा अन्तरराज्य रुटो पर चलाई जा रही है। इन बसों द्वारा वर्ष 2006-2007 में 208.64 लाख कि० मी० की दूरी तय की गई जिससे 2310.10 लाख रुपये की आय हुई। इन बसों में प्रतिदिन औसतन 56510 यात्रियों द्वारा यात्रा की गई।

66 सड़क दुर्घटनायें

वर्ष 2006-2007 में 531 दुर्घटनायें घटी जिसमें 531 गाड़ियाँ दुर्घटना ग्रस्त हुई। इन दुर्घटनाओं में 216 व्यक्ति मारे गये तथा 544 व्यक्ति घायल हुये।

संचार

67 डाकघर तथा तार घर

वर्ष 2006-2007 में जिले में 221 डाकघर कार्य कर रहे थे। प्रति लाख व्यक्ति के पीछे 14 डाकघर कार्य कर रहे थे। इसके अतिरिक्त जनता की सुविधा के लिये 568 लेटरबाक्स की सेवायें प्रदान की गई।

68 दूरभाष केन्द्र

वर्तमान में जिला भिवानी में 43200 दूरभाष कार्य कर रहे थे जो 61 दूरभाष केन्द्रों से जुड़े हुये है।

श्रम तथा रोजगार

69 औद्योगिक झगड़े

वर्ष 2006 के दौरान जिला भिवानी में 181 औद्योगिक झगड़े रिपोर्ट किये गये। वर्ष के दौरान औद्योगिक संगठन में किसी प्रकार की तालाबन्दी व हड़ताल नहीं हुई है। जिला में वर्ष 2006 में श्रमिक सघं अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्टर्ड सघों की सख्यां 51 है।

70 रोजगार

जिला भिवानी में वर्ष 2006-2007 में 28300 व्यक्ति संगठित क्षेत्र में रोजगार में थे। जिनमें से 23666 व्यक्ति सार्वजनिक क्षेत्र में तथा 4634 व्यक्ति निजी क्षेत्र में लगे हुये थे।

71 जिला भिवानी में 4 रोजगार कार्यालय एवं एक व्यवसायिक मार्ग दर्शन हेतु एक सूचना केन्द्र है। इन रोजगार कार्यालयों में वर्ष 2006 के दौरान 13673 व्यक्तियों द्वारा रोजगार हेतु पंजीकरण करवाया गया जिससे कुल पंजीकृत बेरोजगारों व्यक्तियों की सख्यां 103399 हो गई। इन रोजगार केन्द्रों में से 5 नियोजनों द्वारा सेवाये की गई तथा कुल 7 नियुक्तियाँ की गई।

72 जिला भिवानी में वर्ष 2006 के दौरान 8488 दुकानों में 1455 कर्मचारी, 144 वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में 1492 कर्मचारी, 544 होटल तथा जलपान ग्रहों में 381 कर्मचारी कार्यरत रहे।

73 मजदूरी की औसत दैनिक आय

वर्ष 2007 के दौरान जिला भिवानी में कुल कार्यकरताओं जैसे बढई लौहार की दैनिक मजदूरी क्रमशः 200 और 180 रुपये थी, हल चलाने वाले कृषि श्रमिक की दैनिक मजदूरी 130 रुपये बिजाई के लिये 130 रुपये गोड़ाई के लिये 122.92 रुपये तथा अन्य कृषि सम्बन्धी मजदूरी की दर 114.58 रुपये प्रतिदिन रही।

सहकारिता

74 सहकारिता वर्ष 2006-2007 में जिला भिवानी में 1104 सहकारी समितियाँ थीं। जिनके सदस्यों की संख्या 197510 थी।

75 वर्ष के दौरान इन सहकारी समितियों में 35.71 करोड़ रुपये हिस्सा पूंजी 198.04 करोड़ रुपये निजी पूंजी थी, जबकि कार्य पूंजी 498.93 करोड़ रुपये रही। इस प्रकार वर्तमान सीमा अनुसार 2001 की जनसंख्या के आधार पर प्रति व्यक्ति औसत कार्य पूंजी 3501 रुपये थी।

76 प्रति लाख व्यक्तियों पर समितियों की संख्या 77 थी जबकि प्रति हजार जनसंख्या पर सब प्रकार की समितियों के सदस्यों की संख्या 139 थीं

77 सभी 1104 सहकारी समितियों एवं बैंको में से एक केन्द्रीय सहकारी बैंक 40 कृषि ऋण, 55 गैर कृषि ऋण, 1 प्राथमिक भूमि विकास बैंक, 6 विपणन, 28 बुनकर 5 उपभोक्ता समितियाँ 19 आवास समितियाँ 42 खेती समितियाँ तथा शेष 693 अन्य प्रकार की समितियाँ थीं।

बैंक

78 वर्ष 2006-2007 में जिला भिवानी में एक सहकारी बैंक था। जिसकी 25 अन्य शाखाएँ थीं। इनमें हिस्सा पूंजी 19.16 करोड़ रुपये, निजी पूंजी 27.57 करोड़ रुपये जबकि कार्य पूंजी 503.78 करोड़ रुपये रही। वर्ष के दौरान इस बैंक द्वारा दिया गया कुल ऋण 33348 लाख रुपये था।

79 वर्ष 2006-2007 में जिला भिवानी में 1 प्राथमिक भूमि विकास बैंक था। इसकी की हिस्सा पूंजी 1423.57 लाख रुपये, निजी पूंजी 1317.38 लाख रुपये जबकि 38647.93 लाख रुपये कार्य पूंजी थी। इसके द्वारा 1621.74 लाख रुपये का कर्जा दिया गया।

80 जिला भिवानी में वर्ष 2006-2007 में 102 अनुसूचित वाणिज्य बैंक के कार्यालय थे। जिनमें से 44 प्रतिशत ग्रामीण तथा 56 प्रतिशत शहरी क्षेत्र में थे।

81 प्रति बैंक ब्रांच द्वारा 15500 व्यक्तियों को सेवाएँ प्रदान की गईं।

82 मार्च 2007 तक 1399 करोड़ जिला भिवानी में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में जमा पड़े थे। जिसमें से 1018 करोड़ रुपये ऋण के रूप में दिये गये। इस प्रकार ऋण व जमा में अनुपात 72.77 था।

83 सबसे अधिक ऋण कृषि एवं उससे सम्बन्धित कार्यों के लिये प्रदान किये गये प्रति व्यक्ति जमा धन राशि 7684 रुपये थी।

शिक्षा

84 विद्यालय तथा महाविद्यालय

जिला भिवानी में वर्ष 2006-2007 में राजकीय तथा अराजकीय 364 प्राथमिक, 211 माध्यमिक तथा 577 उच्च तथा वरिष्ठ माध्यमिक मान्यता प्राप्त विद्यालय ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। इन प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्च एवं वरिष्ठ माध्यमिक मान्यता प्राप्त विद्यालयों में क्रमशः 1822, 1371, 7721 अध्यापक कार्यरत थे।

85 वर्ष 2006-2007 के दौरान 359779 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे। जिनमें से 59251, (16.46) प्रतिशत विद्यार्थी प्राथमिक पूर्व प्राथमिक विद्यालयों में, 64680 (17.97) प्रतिशत, माध्यमिक विद्यालयों में तथा शेष 235848 (65.55) प्रतिशत विद्यार्थी उच्च एवं वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे।

86 वर्ष 2006-2007 में जिला भिवानी में अनुसूचित जाति के कुल 66740 विद्यार्थियों ने मान्यता प्राप्त विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण की जो कुल विद्यार्थियों का 18.55 प्रतिशत है। इनमें से 24203 (36.26) प्रतिशत विद्यार्थी प्राथमिक पूर्व प्राथमिक विद्यालयों में 10865 (16.27) प्रतिशत, माध्यमिक विद्यालयों में तथा शेष 31672 (47.45) प्रतिशत विद्यार्थी उच्च एवं वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे।

87 जिला भिवानी में वर्ष 2006-07 में प्रतिशत अध्यापक विद्यार्थियों का अनुपात लगभग 33 प्राथमिक, 47 माध्यमिक तथा 21 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों का था।

88 इसके अतिरिक्त प्राईमरी शिक्षा के लिये जिले में सामकेतिक बाल विकास परियोजना के अर्न्तगत 11 ब्लाकों में 1344 आगंनबाड़ी केन्द्र कार्यरत थे।

89 जिला भिवानी मे वर्ष 2006-2007 मे 11 कलां एवं विज्ञान महाविद्यालयों मे 16717 विद्यार्थी शिक्षा गहण कर रहे थे। जिसमे 2170 विद्यार्थी अनुसूचित जाति से सम्बन्धित थे।

90 अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम

व्यवसायिक शिक्षा के लिये जिला मे 3 इन्जिनियरिंग महाविद्यालय एवं 3 शिक्षा एवं प्रशिक्षण महाविद्यालय भी कार्यरत थे। जिसमे 1240 विद्यार्थी शिक्षा गहण कर रहे थे।

91 उपरोक्त के अतिरिक्त जिला भिवानी मे 4 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान तथा 7 राजकीय व्यवसायिक शिक्षा संस्थान कार्य कर रहे थे। जिनमे कुल 1580 विद्यार्थी शिक्षा गहण कर रहे थे।

92 इन्जिनियरिंग कालेज

जिला भिवानी मे टेक्नोलोजिकल इन्सटीच्यूट आफ टैक्सटाईल कालेज मे स्नातकोत्तर स्तर के जैसे टैक्सटाईल विपिंग कम्प्यूटर प्रशिक्षण तथा टैक्सटाईल स्पीनिंग आदि विभिन्न पाठ्यक्रमों मे प्रशिक्षण दिया गया।

93 वर्ष 2004-2005 मे इन्जिनियरिंग कालेज मे 707 लड़को तथा 266 लड़कियो कुल 980 विद्यार्थियो द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

चिकित्सा तथा जन स्वास्थ्य

94 स्वास्थ्य सेवाये

जिला भिवानी मे राज्य सरकार तथा प्राईवेट संस्थाओं द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न प्रकार की एलोपैथी संस्थाओं जिसमे 278 राज्य सरकार द्वारा तथा 2 प्राईवेट असहायता प्राप्त संस्थाओं द्वारा चिकित्सा सेवाये प्रदान की गई। इन संस्थाओं मे 7 अस्पताल, 37 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 7 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 16 डिस्पैन्सरी तथा 211 उप केन्द्र कार्यरत थे। इसके अतिरिक्त जिला मे 49 आर्युवैदिक अस्पताल भी चिकित्सा सुविधाये भी प्रदान कर रही है। जिला मे विरोध चिकित्सा के लिये एक क्षय रोग केन्द्र मे अन्तरंग तथा बाध्य रोगियो की भी चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाती है।

95 वर्ष 2006-2007 मे सरकारी संस्था द्वारा 177142 रोगियो की चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाती गई। वर्ष 2006-2007 मे सरकारी संस्था मे 920 बिस्तर उपलब्ध थे। प्रत्येक एक लाख आबादी के लिये 65 रोगी बिस्तर उपलब्ध थे।

96 वर्ष 2006 मे जिले मे कुल जन्मों की संख्या 33581 थी। जिनमे 20899 ग्रामीण तथा 12682 शहरी क्षेत्र मे जन्म हुये। वर्ष 2006 मे मोतो की संख्या 8160 रही। जिसकी संख्या ग्रामीण क्षेत्र मे 6154 तथा शहरी क्षेत्र मे 2006 थी। जिनमे से 320 एक वर्ष से कम उम्र की मौते हुई।

97 परिवार कल्याण प्रोग्राम

जिला भिवानी मे वर्ष 2006-2007 मे 7 परिवार कल्याण केन्द्र कार्यरत थे। वर्ष 2006-2007 मे कुल 6528 व्यक्तियों ने नसबन्दी आप्रेशन करवाये जिनमे 281 नसबन्दी तथा 6247 ट्यूबकामी आप्रेशन थे। वर्ष के दौरान 11590 ने आई.यू.डी. का प्रयोग किया।

98 सुरक्षित पेयजल

जिला भिवानी मे पेयजल परियोजना के अधीन जिले के सभी गावों को पेयजल सुविधा प्रदान की जा रही है।

कल्याण विभाग “अनुसूचित जातियाँ व पिछड़े वर्ग ”

99 कमजोर वर्ग के कल्याण के लिये कार्यक्रम जैसे मकान बनाने के लिये ऋण मैट्रिक के ऊपर के विधार्थियों के लिये छात्रवृत्ति पुस्तकें एवं लेखन सामग्री खरीदने हेतु बिना ब्याज के ऋण तथा मुफ्त वृद्धियों का बाटना सारा वर्ष प्रगति पर रहा।

100 वर्ष 2006-2007 मे मकान अनुदान योजना अनुसूचित/विमुक्त जाति के अर्न्तगत 73 परिवारो को 36.5 लाख रुपये की राशि का अनुदान किया गया। इस स्कीम मे उन व्यक्तियो को जिनके पास कच्चा मकान हो व 50 वर्ग गज का प्लाट हो उन्हें 50000/-रुपये का अनुदान दिया जाता है। इस योजना के अर्न्तगत वर्ष 2005-06 मे 104 लाभपात्रो को 10.40 लाख रूप्ये की राशि वितरित की गई।

101 अत्याचार निवारण योजना - इस स्कीम के अर्न्तगत किसी भी अनुसूचित जाति के व्यक्तियों पर स्वर्ण जाति के व्यक्तियों द्वारा अत्याचार करने पर उन्हें क्रमशः 15 हजार रुपये से 2 लाख रुपये सहायता रूप में दिये जाते हैं। इस योजना के अर्न्तगत वर्ष 2005-06 में 8 लाभपत्रों को 75 हजार रुपये तथा 2006-07 में 156250/- ₹0 2 लाभपत्रों को वितरित किये गये हैं।

102. इन्दिरा गांधी प्रियदर्शनी विवाह शगुन योजना - इस योजना के अर्न्तगत गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले अनुसूचित जाति तथा अन्य सभी जातियों की विधवाओं को उनकी लड़कियों की शादी के उत्सव पर 15000/- रुपये तथा पिछड़े वर्ग व अन्य जातियों के व्यक्तियों को उनकी लड़कियों की शादी के उत्सव पर 5100 रुपये अनुदान के रूप में प्रदान किये जाते हैं। वर्ष 2005-2006 में 1011 लाभपत्रों को कुल 9833400/- ₹0 वितरित किये गये हैं। वर्ष 2006-2007 में 1467 लाभपत्रों को 15699300/- ₹0 वितरित किये गये हैं।

103. पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति अनुसूचित/पिछड़ा वर्ग:- इस योजना के अर्न्तगत पोस्ट मैट्रिक कक्षाओं में पढ़ने वाले अनुसूचित तथा पिछड़ा वर्ग के छात्रों को पूरी फीस का भुगतान किया जाता है। इस योजना के अर्न्तगत वर्ष 2005-2006 में 1397426/- ₹0 144 छात्रों को तथा 2006-07 में 4642977/- ₹0 310 छात्रों को वितरित किये गये हैं।

104. विधार्थी कर्जा योजना:- इस योजना के अर्न्तगत पोस्ट मैट्रिक, पोस्ट ग्रेजुएट इन्जिनियरिंग, मेडीकल इत्यादि कक्षाओं में पढ़ने वाले छात्रों को क्रमशः 800/- ₹0, 1500/- ₹0 तथा 2000/- ₹0 पुस्तक एवं लेखन सामग्री हेतु प्रदान किये जाते हैं। इस योजना के अर्न्तगत वर्ष 2005-06 में 800 छात्रों को 741200/- ₹0 तथा 2006-07 में 591 लाभपत्रों को 975100/- ₹0 वितरित किये गये हैं।

105. प्रथम श्रेणी प्राप्त करने पर पोत्साहन राशि देने बारे- इस योजना के अर्न्तगत दस जमा दो, ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट, मेडीकल, इन्जिनियरिंग तथा डिप्लोमा इत्यादि कोर्सों में प्रथम चरण में प्रथम श्रेणी प्राप्त करने पर क्रमशः 1000/- ₹0 1500/- ₹0 तथा 2000/- ₹0 पोत्साहन के रूप में प्रदान किये जाते हैं। इस योजना के अर्न्तगत वर्ष 2005-06 में 85 छात्रों को 104500/- ₹0 तथा 2006-07 में 212000/- ₹0 187 छात्रों को वितरित किये गये हैं।

106. अर्न्तजातीय विवाह योजना:- समाज में छुआछूत खत्म करने के लिये यह स्कीम चलाई गई है। लडका या लडकी अनुसूचित जाति का तथा हरियाणा राज्य का स्थायी निवासी होना चाहिये। शादी के समय लडके की आयु 21 वर्ष तथा लडकी की आयु 18 वर्ष होनी चाहिये। इस योजना के अर्न्तगत प्रार्थी को 50000/- ₹0 का अनुदान दिया जाता है। वर्ष 2005-06 में 125000/- ₹0, 2006-07 में किसी को कोई लाभ नहीं दिया गया।

107. वृद्धावस्था एवं अन्य पेंशन

वर्ष 2006-2007 में जिला भिवानी में बुढ़ापा भत्ता स्कीम के अर्न्तगत 68060 वृद्धों को 300/- रुपये प्रति मास की दर से कुल 2721.06 लाख रुपये तथा 9363 विकलांग व्यक्तियों को 424.22 लाख रुपये की राशि पेंशन के रूप में वितरित की गई तथा विधवा पेंशन के अर्न्तगत 30043 विधवाओं को 1197.94 लाख रुपये वितरित किये गये।

विविध

108. नगरपालिकाएं

वर्ष 2005-2006 के दौरान जिले में स्थित 4 नगरपालिकाओं का अन्तिम शेष (आय-व्यय) 152.54 लाख रुपये था! वर्ष 2006-2007 में 939.89 लाख रुपये (आय) जो कि 2004-2006 के अन्तिम शेष सहित हुई! जिसमें से 724.26 लाख रुपये व्यय किये गये!

109 जिला राजस्व

जिला राजस्व में वर्ष 2006-2007 में निम्नलिखित साधनों में राजस्व की प्राप्ति हुई! हरियाणा मूल्य वर्धित कर अधिनियम-2003 से 666978 हजार रुपये, केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम-1956 से 26424 हजार रुपये, मनोरंजन कर से 110 हजार रुपये की आय हुई! जबकि 2005-06 में हरियाणा मूल्य वर्धित कर अधिनियम-2003 से 433376 हजार रुपये, केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम-1956 से 25595 हजार, मनोरंजन कर से 80 हजार रुपये की आय हुई थी!

110. रजिस्ट्रीकरण

वर्ष 2004-2005 में जिला भिवानी में रजिस्ट्री कार्यालयों की सख्यां 8 थी जिनमें 30139 अनिवार्य अचल सम्पत्तियों की रजिस्ट्री हुई। इन अन्तरित सम्पत्तियों का मूल्य 34969.12 लाख रुपये था। इससे सरकार को 95.22 लाख रुपये की आय हुई।

111. पुलिस तथा अपराध

जिला भिवानी में वर्ष 2007 में 13 पुलिस स्टेशन तथा 17 पुलिस चौकियां कार्यरत थी। जिले में इस वर्ष के दौरान 2573 अपराध हुये। जिनमें से 62 हत्या के, 26 केस लूट के, 231 केस सेधं चोरी तथा 2254 केस विविध अपराधों से सम्बन्धित थे। जबकि वर्ष 2006 में कुल 2519 विभिन्न प्रकार के अपराध हुये।

112. हरियाणा सरकार के कर्मचारी

जिला भिवानी में 31 मार्च 2006 को हरियाणा सरकार के अधीन कार्यालयों में 24279 कर्मचारी कार्यरत थे। जिनमें 17382 पुरुष तथा 6897 महिलाएं थी जिला में 1526 राजपत्रित तथा 22753 अराजपत्रित कर्मचारी थे।

113. मनोरंजन

जिला भिवानी के जिले मे अनेको मन्दिर व धार्मिक स्थलो के कारण इसे छोटी कांशी के नाम से भी जाना जाता है। भिवानी शहर का किरोड़ीमल मन्दिर अपनी भव्यता व सुन्दरता के लिये बहुत प्रसिद्ध है। जिले के दादरी तहसील के अन्तर्गत गांव बाधौत के शिव रात्रि के अवसर पर बहुत बड़ा मेला लगता है। वहाँ लाखों क्षधालु व कावडिये आते है और शिवलिंग पर जल चढ़ाते है। जिले मे अरावली पर्वत की श्रृखंला है जिसका सबसे ऊँचा पहाड़ तोशाम शहर मे है। जिले मे मनोरंजन हेतु 1 सिनेमा घर भी है।

114. बचत

वर्ष 2006-2007 मे जिला भिवानी मे बचत लक्ष्य 70 करोड़ रुपये तथा प्राप्ति 29.09 करोड़ रुपये की बचत की गई जो कि लक्ष्य 41.55 प्राप्त किया गया है।

115 विकेन्द्रीयवृत योजना

जिला भिवानी मे विकेन्द्रीयवृत योजना के अन्तर्गत वर्ष 2006-2007 के दौरान 134 लाख रुपये की राशि जिला के विभिन्न विकास कार्यों के लिये जारी की गई।

116. खेलकूद

खेल विभाग भिवानी द्वारा भीम स्टेडियम भिवानी मे समय 2 पर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। वर्ष 1982 मे निर्मित 32 एकड़ के विशाल भू-क्षेत्र मे निर्मित भीम स्टेडियम मे जिला स्तर के साथ-2 अन्तर्राज्य प्रतियोगिताओं का आयोजन भी सरलता से किया जाता है। इसमे एथलैटिक्स, फुटबाल, बालीवाल, हाकी, खो-खो, क्रिकेट आदि के मैदानो की समुचित सुविधाये है। जहां प्रशिक्षक प्रतिदिन सुबह साय बच्चों को प्रशिक्षण देते है। इस स्टेडियम पर इसी समय लगभग 25 लाख रुपये की लागत आई थी।

117 इसी भीम स्टेडियम मे वर्ष 1987 मे 33 लाख रुपये की लागत से तरणताल का निर्माण किया गया। जिसमे सुबह शाम विभिन्न आयु वर्ग के बच्चो को योग्य प्रशिक्षको द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अतिरिक्त वर्ष 1989 मे इन्दौर खेलो जैसे जमुनास्टीक, टेनिस, मुक्के बाजो तथा बैडमिन्टन आदि खेलो के प्रशिक्षण तथा प्रतियोगिताओं के आयोजन हेतु 76 लाख रुपये की लागत से एक विशाल हाल का निर्माण भी किया गया है।

118 राष्ट्रीय खेल प्राधिकरण प्रशिक्षण केन्द्र

उच्च कोटि के युवा खिलाड़ियो हेतु यहाँ यूथ होस्टल भी है। जिसमे उत्कृष्ट खिलाड़ियो को सरकार की तरफ से मुफ्त भोजन तथा रहने की सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है। वर्ष 2005-2006 मे कुल 33 प्रशिक्षको द्वारा 1500 खिलाड़ियो को प्रशिक्षण दिया गया।

119. चुनाव एवं मतदाता

31 अगस्त, 2005 के अनुसार जिला भिवानी मे मतदाताओं की कुल जनसंख्या 915244 है, जो सात विधान सभा क्षेत्रों क्रमशः भिवानी, चरखी दादरी, बाढड़ा, लौहार, तौशाम, मुन्ढाल व बवानी खेड़ा मे विभाजित है। इसमे से 489318 पुरुष तथा 425926 महिला मतदाता है। लोक सभा हल्का भिवानी के अन्तर्गत 9 विधान सभा क्षेत्र आते है। जिनमे से 7 भिवानी जिले मे तथा 2 हिसार जिले मे क्रमशः हांसी तथा आदमपुर क्षेत्र आते है।

परिशिष्ट -3
जिला एक दृष्टि में

चुने हुये सूचकांक

1.	जनसंख्या का घनत्व प्रति वर्ग कि० मी० 2001	298
2.	कुल जनसंख्या पर ग्रामीण जनसंख्या की प्रतिशतता 2001	81.03
3.	कुल जनसंख्या पर शहरी जनसंख्या की प्रतिशतता 2001	18.97
4.	कुल जनसंख्या पर 0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या की प्रतिशतता 2001	15.50
5.	कुल जनसंख्या में लिंगानुपात 2001	880
6.	ग्रामीण जनसंख्या में लिंगानुपात 2001	685
7.	शहरी जनसंख्या में लिंगानुपात 2001	858
8.	0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या में लिंगानुपात 2001	830
9.	साक्षरता 2001	
	पुरुष	85.19
	स्त्रियों	53.50
	कुल	68.17
10.	कुल बोये गये क्षेत्र की कुल क्षेत्र से प्रतिशतता 2005-2006	189.47
11.	एक बार से अधिक बोये गये क्षेत्र से कुल बोये गये क्षेत्र से प्रतिशतता 2005-2006	53.03
12.	कुल बोये गये क्षेत्र की कुल निबल बोये गये क्षेत्र से प्रतिशतता 2005-2006	201.01
13.	गांव के विद्युतीकरण की प्रतिशतता	100
14.	स्कूल जाने वाले प्रति 1000 बच्चों पर स्कूलों की संख्या 2006-2007	
	2006-2007	
	प्राथमिक	6
	माध्यमिक	3
	उच्चतर	2
15.	प्रति लाख जनसंख्या के पीछे बिस्तरो की संख्या	65
16.	प्रति पाँच लाख जनसंख्या के पीछे अस्पतालों की संख्या	2
17.	प्रति बैंक के पीछे व्यक्तियों की संख्या 2005-2006	15700
18.	प्रति 100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर पक्की सतही सड़को की लम्बाई कि० मी० 2006-07	42.11
19.	प्रति लाख जनसंख्या के पीछे डाकघरों की संख्या	15
20.	प्रति लाख जनसंख्या पर परिवार कल्याण केन्द्रों की संख्या	1
21.	वर्तमान सीमा अनुसार 2001 की जनगणना के आधार पर 1425022 की अनुमानित जनसंख्या वर्ष	
	2005-2006	1448962
	2006-2007	1452952

परिशिष्ट - 3
जिला एक दृष्टि मे

चुने हुये सूचकांक

1.	जनसंख्या का घनत्व प्रति वर्ग कि० मी० 2001	298
2.	कुल जनसंख्या पर ग्रामीण जनसंख्या की प्रतिशतता	81.03
3.	कुल जनसंख्या पर शहरी जनसंख्या की प्रतिशतता	18.97
4.	कुल जनसंख्या पर 0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या की प्रतिशतता 2001	15.50
5.	कुल जनसंख्या मे लिंगानुपात 2001	880
6.	ग्रामीण जनसंख्या मे लिंगानुपात 2001	885
7.	शहरी जनसंख्या मे लिंगानुपात 2001	858
8.	0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या मे लिंगानुपात 2001	830
9.	साक्षरता 2001	
	पुरुष	81.19
	स्त्रियाँ	53.50
	कुल	68.17

